ICSSR Sponsored

ISSN: 2319-9997

Journal of Nehru Gram Bharati University, 2024; Vol. 13 (2):131-138

जनपद सुलतानपुर में सामाजिक – आर्थिक विकास का स्तर :एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

आशुतोष मिश्र एवं मीता रतावा तिवारी
भूगोल विभाग
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ.प्र.

Received: 17.09.2024 *Revised: 22.11. 2024* *Accepted: 16.12.2024*

सारांशः

सामाजिक दृ आर्थिक विकास से तात्पर्य किसी भी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की प्रक्रिया है । भौतिक और सामाजिक अवसंरचनायें, शिक्षा तथा उद्यमिता किसी भी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । सामाजिक–आर्थिक विकास विभिन्न कारकों जैसे जनसांख्यिकी, शिक्षा, भौतिक स्वरूप तथा सामाजिक–आर्थिक अवसंरचनाओं द्वारा नियंत्रित होता है । इस शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र का विकासखण्ड स्तर पर सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए अध्ययन किया गया है । विकासखण्डवार सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर को 10 संकेतकों के आधार पर मापा गया है । इसके आधार पर सभी 14 विकासखण्डों को अति उच्च, उच्च, मध्यम तथा निम्न श्रेणी के सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर में विभाजित किया गया है ।

मुख्य शब्दः सामाजिक–आर्थिक विकास, साक्षरता, मुख्य श्रमिक, शुद्ध बोया गया क्षेत्र, अन्य उपयोग भूमि ।

प्रस्तावना

सामाजिक–आर्थिक विकास किसी भी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक कल्याण में सुधार लाने प्रक्रिया है । भौतिक और सामाजिक अवसंरचनायें, शिक्षा और उद्यमिता सभी क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । सामाजिक–आर्थिक विकास विभिन्न कारकों अर्थात् भौतिक स्वरूप, जनसांख्यिकी, शिक्षा तथा सामाजिक–आर्थिक अवसंरचनाओं द्वारा नियंत्रित होता है । जो विकास की प्रक्रिया के साथ परस्पर क्रिया करते हैं और विकास उत्पादन गतिविधियों में सामाजिक–आर्थिक अवसंरचना में सकारात्मक परिवर्तन के माध्यम से होता है ।

प्रस्तुत शोध पत्र में विकासखण्ड स्तर पर सामाजिक आर्थिक विकास स्तर के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए अध्ययन किया गया है । विकासखण्डवार सामाजिक–आर्थिक विकास के 10 संकेतकों साक्षरता दर, मुख्य श्रमिक, शुद्ध बोया गया

क्षेत्रफल, कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि, अनुसूचित जाति बस्तियों में विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, सड़क घनत्व, डाकघर घनत्व तथा बैंकिंग घनत्व के आधार पर मापा गया है । इन सभी सामाजिक–आर्थिक संकेतक मूल्यों के आधार पर यौगिक सूचकांक (ब्वउचवेपजम प्दकम•) की गणना की गयी है । पाल, अमरपाल (2010) ने अपने शोध प्रबन्ध में सुलतानपुर जनपद में ग्रामीण विकास और सामाजिक–आर्थिक रूपान्तरण का अध्ययन कर व्याख्या की । पवार, एस.के. (2012) ने अपने शोध प्रबन्ध में महाराष्ट्र की जनजातीय जनसंख्या के सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर का अध्ययन किया । टिकेकर, एस.एस. और पवार, एस.के. (2017) ने अपने शोध पत्र में कोल्हापुर जनपद के ग्रामीण भाग में सामाजिक–आर्थिक विकास का अध्ययन तहसील स्तर पर 12 सामाजिक–आर्थिक संकेतकों के आधार पर तथा ग्राम स्तर पर 11 अलग संकेतकों के आधार पर अध्ययन कर व्याख्या की । घुड़के, बी.बी. (2020) ने अपने शोध प्रबन्ध में कोल्हापुर जनपद के सामजिक स्तर का तहसील एवं गाँव स्तर पर अध्ययन किया । तहसील के सामाजिक विकास हेतु 45 संकेतकों तथा गांव के सामाजिक विकास हेतु 15 संकेतकों का प्रयोग किया है ।

अध्ययन क्षेत्र दृ

वर्तमान शोध कार्य के लिये अध्ययन क्षेत्र के रूप में जनपद सुलतानपुर का चयन किया गया है । अध्ययन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में अवस्थित है । मध्य गंगा मैदान में स्थित गोमती नदी द्वारा विभाजित यह अयोध्या मण्डल के दक्षिण भाग में अवस्थित है । जनपद का अक्षांशीय विस्तार 25०58′31″ उत्तर से 26०32′18″ उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 81०43′26″ पूर्व से 82०41′29″ पूर्वी देशान्तर रेखाओं के मध्य है । इसका पूरब से पश्चिमी विस्तार, उत्तर–दक्षिण विस्तार की अपेक्षा अधिक है, जो क्षेत्र को लगभग आयताकार स्वरूप प्रदान करता है । जनपद सुलतानपुर के उत्तर में जनपद अयोध्या और अम्बेडकर नगर, पूर्व में आजमगढ़ और जौनपुर, दक्षिण में प्रतापगढ़ और पश्चिम में जनपद अमेठी द्वारा इसकी वाह्य सीमायें निर्धारित की जाती है । अध्ययन क्षेत्र का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 2672.89 वर्ग किलोमीटर है । जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 1.11 प्रतिशत है । 2011 में इस क्षेत्र की जनसंख्या 2431491 थी । जो राज्य की कुल जनसंख्या का 1.22 प्रतिशत थी । राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–731 जनपद मुख्यालय से होकर गुजरता है । जनपद में 5 तहसील तथा 14 विकासखण्ड हैं (मानचित्र संख्या–1.1) ।

उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्देश्य जनपद सुलतानपुर के सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर का विश्लेषण करना है । जिसका उद्देश्य जनपद के लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति को समझना है ।

आंकड़ों का संग्रह एवं विधि तन्त्र -

वर्तमान अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है । आंकड़ों का संकलन सांख्यकीय पत्रिका जनपद सुलतानपुर 2023 से किया गया है । अध्ययन क्षेत्र के विकास स्तर का अध्ययन के लिए विकासखण्डवार आंकड़ों का प्रयोग किया गया है । एकत्रित आंकड़ो को विभिन्न सांख्यकीय विधियों का उपयोग करके सारणीबद्ध किया गया है । इसके पश्चात् सामाजिक–आर्थिक विकास के स्तर के लिये श्रीवास्तव (1983) द्वारा प्रस्तुत आनुपातिक, मानकीकृत माध्य और यौगिक सूचकांक विधि का उपयोग किया गया है ।

सामाजिक–आर्थिक विकास संकेतक तथा यौगिक सूचकांक -

जनपद सुलतानपुर में सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर के अध्ययन के लिए दस संकेतकों साक्षरता दर, मुख्य श्रमिक, शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, कृषि के अतिरिक्त अन्य

उपयोग भूमि, अनुसूचित जाति बस्तियों में विद्युतीकरण को प्रतिशत में और प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, सड़क घनत्व, डाकघर घनत्व तथा बैंकिंग घनत्व का प्रयोग किया गया है । इन सभी सामाजिक–आर्थिक संकेतक मूल्यों के आधार पर यौगिक सूचकांक (composite indeÛ) तथा यौगिक सूचकांकों के औसत के आधार पर विकासखण्डों के सामाजिक–आर्थिक स्तर को प्राप्त किया गया है । सभी विकासखण्डों का औसत यौगिक सूचकांक 48.64 है । 5 विकासखण्डों लम्भुआ (48.79), पी.पी. कमैचा (53.81), कादीपुर (50.10), मोतिगरपुर (52.82) तथा करौंदीकला (50.35) का यौगिक सूचकांक औसत यौगिक सूचकांक से अधिक है तथा शेष 9 विकासखण्डों का यौगिक सूचकांक, औसत यौगिक सूचकांक 48.64 से कम है ।

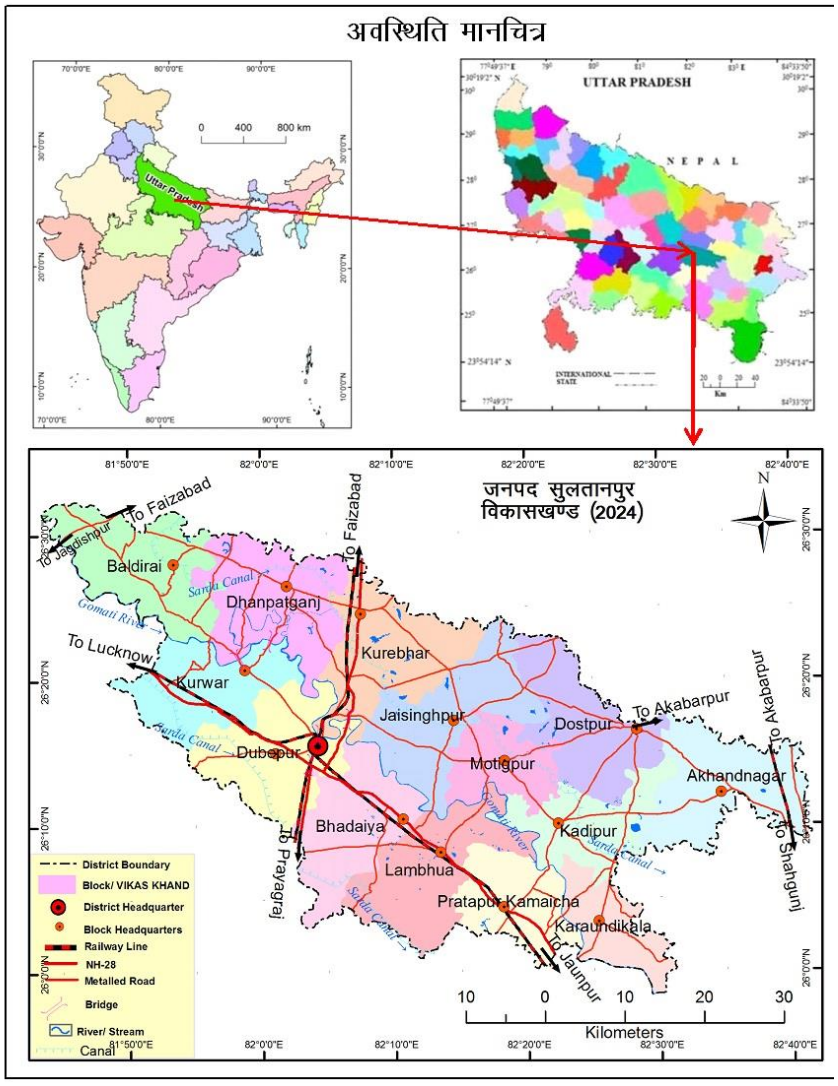

मानचित्र संख्या– 1.1

*स्रोत : आर्क जी०आई०एस०–10.5 द्वारा निर्मित, भू–पत्रक संख्या–63F/10] 63F/11] 63F/15] 63F/16] 63J/3] 63J/4] 63J/7] 63J/8] 63J/9] 63J/11] 63J/12] 63K/5] जिला जनगणना पुस्तिका एवं जनपद सांख्यकीय पत्रिका के आंकड़ा वर्ष **2023** पर आधारित ।*

तालिका -1 जनपद सुलतानपुर : सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतक मूल्य (2023) (स्रोत – सांख्यिकीय पत्रिका जनपद सुलतानपुर, 2023)

क्र०	विकासखण्ड	साक्षरता दर (% में)	मुख्य श्रमिक (% में)	शुद्ध बोया गया क्षेत्र (% में)	अन्य उपयोग भूमि (%में)	विद्युतीकरण (% में)	प्राथमिक विद्यालय घनत्व	प्रा. स्वा. केन्द्र घनत्व	सड़क घनत्व	डाकघर घनत्व	बैंकिंग घनत्व
1.	बल्दीराय	67-04	17-77	72-30	13-41	87-42	0-678	0-658	175-31	12-49	0-66
2.	धनपतगंज	70-90	18-82	65-12	14-76	90-00	0-679	0-737	160-30	8-44	0-43
3.	कूड़ेभार	69-77	19-21	64-81	18-14	89-60	0-662	0-617	190-19	8-56	0-93
4.	जयसिंहपुर	69-08	17-04	65-88	18-13	88-65	0-863	0-600	168-77	18-16	0-70
5.	कुड़वार	71-39	16-52	69-22	15-49	80-86	0-696	0-589	167-70	12-15	0-54
6.	दुबेपुर	71-74	19-32	65-37	16-72	87-71	0-947	0-491	188-27	17-16	0-57
7.	भदैंया	71-05	17-28	69-23	15-38	86-87	0-672	0-766	177-06	9-47	0-64
8.	दोस्तपुर	68-04	15-82	66-75	16-56	97-00	0-587	0-930	179-97	8-7	0-30
9.	अखण्ड नगर	70-10	20-30	70-42	12-26	94-32	0-694	0-711	151-92	9-07	0-59
10.	लम्भुआ	71-10	15-20	72-64	14-41	95-22	0-680	0-680	166-15	14-89	0-39
11.	पी.पी. कमैचा	71-58	17-57	70-49	15-34	96-86	0-884	0-27	261-5	12-42	0-62
12.	कादीपुर	63-74	19-16	69-98	12-21	95-78	0-772	0-859	209-36	12-43	0-36
13.	मोतिगरपुर	70-63	18-89	66-58	18-17	93-48	0-693	1-203	271-31	10-59	0-50
14.	करौंदी कला	44-27	16-60	73-43	5-33	93-72	0-912	1-238	250-3	13-02	0-52
	योग	920-43	249-5	962-22	206-31	1277-49	10-42	11-01	2671-11	167-55	7-75
माध्य (Mean)		67-89	17-82	68-73	14-74	91-25	0-744	0-786	190-79	11-97	0-55
मानक विचलन (S.D.)		6-88	1-45	2-86	3-23	4-53	0-10	0-21	33-33	3-01	023
भार (Weight)		9-87	12-29	24-03	4-56	20-14	7-44	3-74	5-72	3-98	23-91
योग भार						115-68					

तालिका –2

जनपद सुलतानपुर : सामाजिकदृआर्थिक विकास सूचकांक

क्रम	विकासखण्ड	यौगिक सूचकांक	सूचकांक
1.	बल्दीराय	47.67	98.01
2.	धनपतगंज	46.2	94.98
3.	कुड़ेभार	47.72	98.10
4.	जयसिंहपुर	46.73	96.07
5.	कुड़वार	45.80	94.16
6.	दुबेपुर	47.78	98.23
7.	भदैया	47.29	97.22
8.	दोस्तपुर	48.22	99.14
9.	अखण्ड नगर	47.68	98.02
10.	लम्भुआ	48.79	100.31
11.	पी.पी. कमैचा	53.81	110.63
12.	कादीपुर	50.10	103.00
13.	मोतिगरपुर	52.82	108.59
14.	करौंदी कला	50.35	103.52
15.	औसत	48.64	100

स्रोत – सांख्यिकीय पत्रिका जनपद सुलतानपुर, 2023

जनपद सुलतानपुर में सामाजिक–आर्थिक विकास का स्तर–

अध्ययन क्षेत्र के 14 विकास खण्डों को 10 संकेतक मूल्यों की सहायता से प्राप्त सूचकांको के आधार पर 4 श्रेणियों अति उच्च, उच्च, मध्यम तथा निम्न में विभाजित किया गया है ।

तालिका–3

जनपद सुलतानपुर : सामाजिक–आर्थिक विकास का स्तर

क्रम	श्रेणी	सूचकांक	विकास– खण्ड संख्या	विकासखण्ड का नाम
1.	अति उच्च	105 से अधिक	2	पी.पी. कमैचा, मोतिगरपुर
2.	उच्च	100 से 105	3	लम्भुआ, करौंदीकला, कादीपुर
3.	मध्यम	95 से 100	7	बल्दीराय, कुड़ेभार, जयसिंहपुर, दुबेपुर, भदैया, दोस्तपुर, अखंडनगर
4.	निम्न	95 से कम	2	धनपतगंज, कुड़वार

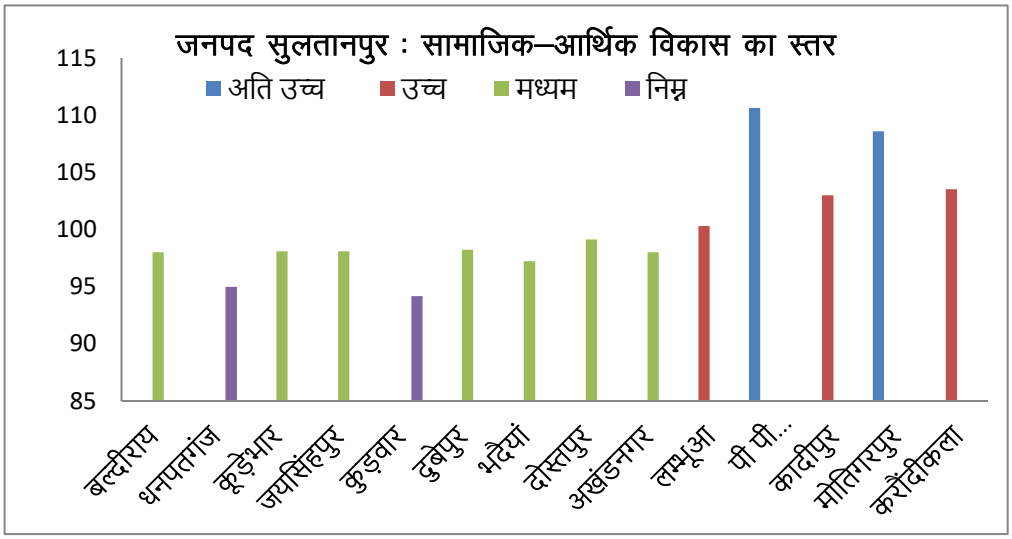

चित्र सं.–1

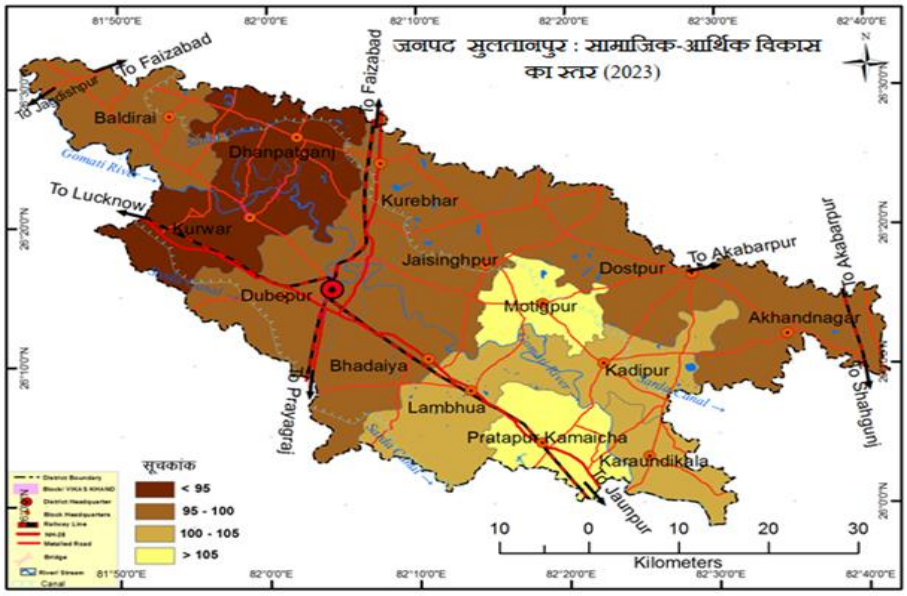

मानचित्र संख्या 1.2

स्रोतः आर्क जी.आई.एस.10.5 सॉफ्टवेयर द्वारा निर्मित एवं सांख्यिकीय पत्रिका जनपद सुलतानपुर, 2023, आकड़ा पर आधारित ।

1. सामाजिक–आर्थिक विकास का अति उच्च स्तर (105 से अधिक)– सामाजिक–आर्थिक विकास का अति उच्च स्तर उन क्षेत्रों में पाया जाता है जहाँ सामाजिक–आर्थिक विकास का सूचकांक 105 से अधिक है । सामाजिक–आर्थिक विकास का अति उच्च स्तर की श्रेणी में केवल 2 विकासखण्ड आते हैं । विकासखण्ड पी.पी. कमैचा (110.63) तथा मोतिगरपुर (108.59) में सामाजिक–आर्थिक विकास का अति उच्च स्तर है

। अध्ययन क्षेत्र के इन दोनों विकासखण्डों में साक्षरता दर, शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, अन्य उपयोग भूमि, विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व तथा बैंकिंग घनत्व जनसंख्या तथा क्षेत्रफल के सापेक्ष में अति उच्च होने के कारण सामाजिक–आर्थिक विकास का अति उच्च स्तर है (मानचित्र संख्या–1.2 एवं तालिका–3) ।

2. सामाजिक–आर्थिक विकास का उच्च स्तर (100 से 105)–

सामाजिक–आर्थिक विकास का उच्च स्तर उन क्षेत्रों में है जहाँ सामाजिक–आर्थिक विकास का सूचकांक 100 से 105 के मध्य है । सामजिक–आर्थिक विकास के उच्च स्तर के अन्तर्गत 3 विकासखण्ड लम्भुआ (100.31), कादीपुर (103.00) तथा करौंदीकला (103.52) आते हैं । अध्ययन क्षेत्र के इन तीन विकासखण्डों में सामाजिक–आर्थिक विकास का उच्च स्तर होने का कारण शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, सड़क घनत्व तथा डाकघर घनत्व का उच्च स्तर है (मानचित्र संख्या– 1.3 एवं तालिका–3) ।

3. सामाजिक–आर्थिक विकास का मध्यम स्तर (95 से 100) दृ

सामाजिक–आर्थिक विकास का मध्यम स्तर उन क्षेत्रों में है जहाँ पर सामाजिक–आर्थिक विकास सूचकांक 95 से 100 के मध्य है । इस श्रेणी के अन्तर्गत सर्वाधिक 7 विकासखण्ड आते हैं । विकासखण्ड बल्दीराय (98.01), कुड़ेभार (98.10), जयसिंहपुर (96.07), दुबेपुर(98.23), भदैया (97.22), दोस्तपुर (99.14) तथा अखंडनगर (98.02) में सामाजिक–आर्थिक विकास का मध्यम स्तर है । अध्ययन क्षेत्र के इन विकासखण्डों में साक्षरता दर, मुख्य श्रमिक, शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि, विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, डाकघर घनत्व, तथा बैंकिंग घनत्व जैसे संकेतक मूल्यों के मध्यम स्तर होने के कारण सामाजिक–आर्थिक विकास का मध्यम स्तर है (मानचित्र संख्या–1.2 एवं तालिका–3) ।

4. सामाजिक–आर्थिक विकास का निम्न स्तर (95 से कम)–

सामाजिक–आर्थिक विकास का निम्न स्तर उन क्षेत्रों में पाया जाता है जहाँ पर सामाजिक–आर्थिक विकास सूचकांक 95 से कम है । इस श्रेणी के अन्तर्गत जनपद सुलतानपुर के दो विकासखण्ड धनपतगंज (94.98) तथा कुडवार (94.16) आते हैं । इन विकासखण्डों में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि, विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, सड़क घनत्व, डाकघर घनत्व, तथा बैंकिंग घनत्व जैसी अवसंरचनाओं का क्षेत्रफल तथा जनसंख्या के सापेक्ष में सबसे कम पाया जाना है । जिससे अध्ययन क्षेत्र में इन दोनों विकास खण्डों में सामाजिक–आर्थिक विकास का निम्न स्तर पाया जाता है (मानचित्र संख्या–1.2 एवं तालिका–3) ।

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र के विकासखण्डों में सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर में असमानता विद्यामान है । अध्ययन क्षेत्र के विकासखण्ड पी.पी. कमैचा, तथा मोतिगरपुर में सर्वोच्च सूचकांक पाया गया है जिससे ये सामाजिक–आर्थिक विकास स्तर में अच्छी तरह से विकसित है । जिसका कारण इन क्षेत्रों में साक्षरता, शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि, अनुसूचित जाति बस्तियों में विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घनत्व, सड़क घनत्व तथा बैंकिंग घनत्व जैसी अवसंरचनाओं का क्षेत्रफल तथा जनसंख्या के सापेक्ष में इन विकासखण्डों में अत्यधिक उपलब्ध होना है । जबकि विकासखण्ड धनपतगंज तथा कुडवार में निम्नतम सूचकांक तथा निम्न विकास स्तर पाया गया है क्योंकि इन विकासखण्डों में कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि अनुसूचित जाति बस्तियों में विद्युतीकरण, प्राथमिक विद्यालय घनत्व,

डाकघर घनत्व तथा बैंकिंग घनत्व जैसी अवसंरचनाओं का क्षेत्रफल तथा जनसंख्या के सापेक्ष में कम पाया जाना है ।

संदर्भ

1. Ambika, N (2022): "A Study on School Infrastructure in India", *IJRPR*, vol-(12), 2022
2. Census of India 2011, District Census Handbook Sultanpur District 2011 (censusindia.gov.in), Accessed on 22nd Oct, 2020.
3. Ghurake, B.B (2020): "*Levels of Social Development in Kolhapur District: A Geographical Analysis*" (Unpublished Thesis), Shivaji University Kolhapur, Maharashtra.
4. Kundu, Amitabh (1975): "Construction of Indices for Regionalization: An Inquiry into the method of Analysis", *Geographical Review of India*, vol. 137, No-1, P 21-29.
5. Pawar, S.K. (2012): "*Socio-Economic Status of Tribal Population in Maharashtra: A Geographical Analysis*", (Unpublished Thesis) Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra.
6. Rukhsana (2009): "Regional Imbalances in the Dimensions of Rural Development", *Indian Journal of Regional Science*, Vol- XXXXI, No. 2, 2009, PP. 135-141.
7. Sankhyikiya Patrika Janpad Sultanpur 2023, (https://updes.up.inc.in), Accessed on15th Apr, 2024.
8. Sood, Shivalika, Kumar, Virendar and Lal, Harbans (2021): "Land use in India : A Review", *Himachal Journal of Agriculture Research*, Vol-47, Issue-1, June (2021)
9. Tikekar, S.S. and Pawar, S.K. (2017): "A Geographical Perspective of Socio-Economic Development in Rural Part of Kolhapur District (Maharashtra State)", *International Research Journal of Natural and Applied Sciences*, Impact factor-5.46, Vol-4, Issue 12, Dec 2017.

Disclaimer/Publisher's Note:

The statements, opinions and data contained in all publications are solely those of the individual author(s) and contributor(s) and not of JNGBU and/or the editor(s). JNGBU and/or the editor(s) disclaim responsibility for any injury to people or property resulting from any ideas, methods, instructions or products referred to in the content.